اردو تعلیم ہی اردو کی ترقی کا سب سے بڑا ذریعہ ہے

PROGRAMME GUIDE

DIPLOMA IN URDU

Through Distance Education
in Hindi/English Medium

2024

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद्
قومی کونسل برائے فروغ اردو زبان
National Council For Promotion of Urdu Language
Ministry of Education, Department of Higher Education, Govt. of India
Farogh-e-Urdu Bhawan, FC-33/9, Institutional Area, Jasola, New Delhi-110025
Ph.: (011) 49539000; Fax: (011) 49539099
E-mail: urducourse@rediffmail.com Website: www.urducouncil.nic.in

اب پ ت ٹ ث ج چ ح خ د ڈ ذ ر ڑ ز س ش

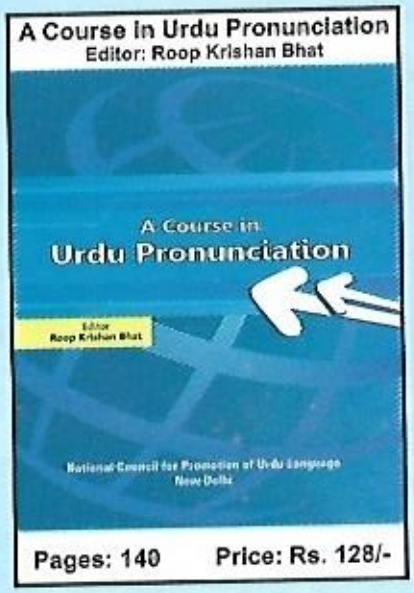

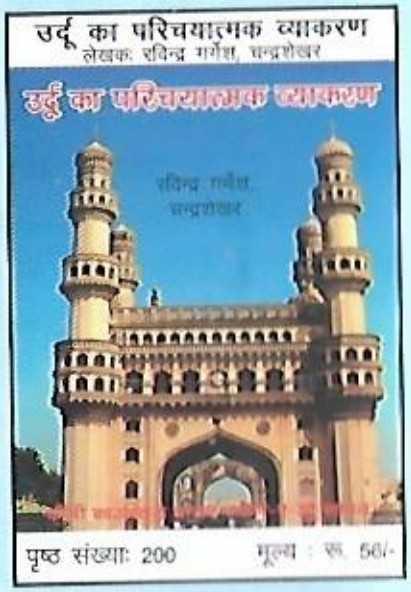

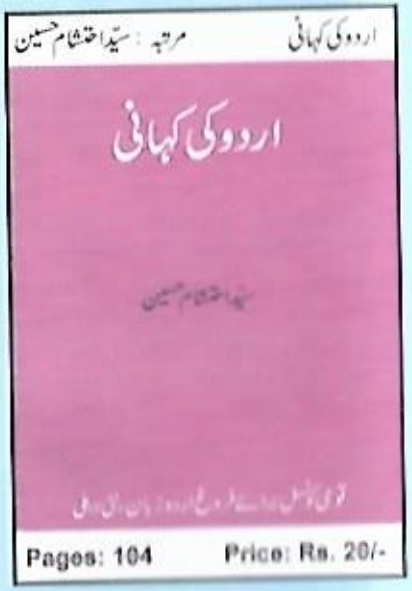

ص ض ط ظ ع غ ف ق ک گ ل م ن و ہ ھ ء ی ے

© National Council for Promotion of Urdu Language
New Delhi

2024

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद्
قومی کونسل برائے فروغ اردو زبان
National Council for Promotion of Urdu Language

Distance Education Cell
National Council for Promotion of Urdu Language
Ministry of Education, Department of Higher Education, Govt. of India
Farogh-e-Urdu Bhawan, FC-33/9, Institutional Area,
Jasola, New Delhi-110025
Tel.: No. 011-49539000 Fax: 011-49539099
E-mail: ncpulcourse@rediffmail.com
Website: www.urducouncil.nic.in

डायरेक्टर नोट .....

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद्, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के अधीन स्वायत्तशासी निकाय के रूप में स्थापित हुई। परिषद उर्दू भाषा में वैज्ञानिक एवं टेक्नॉलॉजी संबंधी ज्ञान उपलब्ध कराने, तकनीकी विकास और आधुनिक युग के नवीन विचारों को प्रोत्साहन देने हेतु ज़रूरी क़दम उठाने के लिए ज़िम्मेदार है।

उर्दू भाषा ने भारतीय सभ्यता के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। उर्दू भाषा भारत की अत्याधिक खूबसूरत लिपियों में से एक है। उर्दू भाषा बोल चाल का असरदार माध्यम होने के साथ–साथ अपनी विश्व विख्यात शायरी, गद्य एवं साहित्य की दूसरी विधाओं से भी पहचानी जाती है। लोगों की तरफ़ से यह माँग बहुत ज़ोरदार तरीक़े से की जा रही थी कि एक ऐसा कोर्स तैयार किया जाए जो विद्यार्थियों को उर्दू लिपि के ज़रिए उर्दू साहित्य लिखने एवं पढ़ने के योग्य बना सके। अतः परिषद ने यह कोर्स तैयार किया।

ज्ञान अर्जन के फैले हुए कैनवस को देखते हुए और मीडिया के बढ़ते हुए असर की वजह से स्वतः ज्ञान पाने की कोशिशों की हमेशा ज़रूरत रहती है। परिषद ने लचीली शिक्षा–प्रणाली के माध्यम से उर्दू लिपि एवं गद्य व पद्य सीखने का आप को मौक़ा दिया है, जिसके द्वारा आप अपनी पसंद के माध्यम से उर्दू भाषा सीख सकते हैं। हमें उम्मीद है कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से यह **डिप्लोमा कोर्स इन उर्दू लेंग्वेज** आप के लिए रोचक सिद्ध होगा।

परिषद इस पत्राचार कोर्स के अलावा बहुत कम फ़ीस के साथ एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स इन कम्पयूटर एप्लीकेशन, बिज़नेस एकाउंटिंग एवं मल्टीलिंग्वल डी टी पी कोर्स भी चलाती है। जिस में उर्दू भी शामिल है। यह कोर्स माध्यमिक स्तर के IT प्रोफेशनल अर्थात डी टी पी आपरेटर्स, वीज़ुअल डिज़ाइनर, डाटा एंट्री आपरेटर एवं ऑफ़िस एकाउंट असिस्टेंटस तैयार करता है।

मुझे यक़ीन है कि अपनी इन कोशिशों से परिषद राष्ट्रीय मानक एवं राष्ट्रीय उद्देश्यों को पूरा करते हुए उर्दू शिक्षा के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान देगी।

नई दिल्ली

प्रो. द्यनंजय सिंह
निदेशक

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद

قومی کونسل برائے فروغ اردو زبان

National Council for Promotion of Urdu Language

1. राष्ट्रीय परिषद : परिचय

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद भारत सरकार के शिक्षा विभाग के अधीन एक स्वायत्त संस्था के रूप में 1994 में स्थापित की गई थी और यह संस्था एक अप्रैल 1996 से नियमित रूप से काम कर रही है। परिषद की स्थापना के निम्न उद्देश्य हैं:

- उर्दू भाषा का विकास, प्रचार व प्रसार।
- उर्दू भाषा के विकास के साथ उर्दू भाषा को आधुनिक वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान से परिचित कराना एवं आधुनिक परिदृश्य के अनुसार उर्दू का विकास करना।
- उर्दू भाषा एवं शिक्षा के विकास से संबंधित भारत सरकार को सलाह देना।
- उर्दू भाषा के विकास से संबंधित ऐसे दूसरे क्रियाकलापों पर ध्यान देना जो कि परिषद के नियमों के अनुरूप हों।

2. डिप्लोमा कोर्स इन उर्दू लेंग्वेज

भाषा एक ऐसा माध्यम है जो शिक्षा एवं ज्ञान का स्तर तय करती है। बोल–चाल के लिए प्रथम भाषा ही प्रभावशाली माध्यम बन सकती है। इसीलिए यह सत्य है कि प्रथम भाषा विद्यार्थियों के लिए बोल–चाल का प्राकृतिक माध्यम है। चूँकि राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद का उद्देश्य उर्दू भाषा की उन्नति, उसका प्रचार एवं प्रसार है। अतः इस दिशा में आगे कदम बढ़ाते हुए उर्दू भाषा तथा इसकी लिपि को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से परिषद ने 2001 में अंग्रेज़ी व हिंदी माध्यम से छह माह का उर्दू लिपि का सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किया। इस कोर्स की लोकप्रियता और माँग को देखते हुए 2003 में इसे एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स में परिवर्तित कर दिया गया। शुरू में विद्यार्थी को सीधे पंजीकरण की पेशकश की गई थी। इसके अलावा 2004 से यह कोर्स स्टडी सेंटरों के माध्यम से चलाया जा रहा है। उर्दू पत्राचार कोर्स की देश भर में बहुत सराहना हुई है। यह जाति, लिंग, आयु एवं प्रांत की सीमाओं से परे जन मानस में लोकप्रिय हो रहा है।

3. उर्दू स्टडी सेंटर

विद्यार्थियों तक शिक्षण–सामग्री तथा दिशा–निर्देश इत्यादि पहुँचाने के उद्देश्य से परिषद ने पूरे देश के विभिन्न भागों में 940 स्टडी सेंटर स्थापित किए हैं जहाँ पर कॉनटैक्ट क्लासेज़ के माध्यम से विद्यार्थियों को उर्दू भाषा सीखने में मदद की जाती है। कॉनटैक्ट प्रोग्राम में सहायता के लिए ऑडियो/वीडियो सामग्री भी परिषद द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

वे विद्यार्थी जो परिषद द्वारा सीधा पंजीकृत होते हैं, उन्हें कॉनटैक्ट क्लासेज़ की जगह अतिरिक्त शिक्षा–सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।

4. कोर्स की अवधि

डिप्लोमा कोर्स इन उर्दू लेंग्वेज की अवधि एक वर्ष (अप्रैल – मार्च) की होती है। यह कोर्स एक अप्रैल से आरंभ होता है।

5. डिप्लोमा कोर्स की रूपरेखा

उर्दू डिप्लोमा कोर्स को दो चरणों में विभाजित किया गया है।

➢ **प्रथम चरण :**

पहले चरण में विद्यार्थी को हिंदी या अंग्रेज़ी माध्यम से उर्दू लिपि लिखना व पढ़ना सिखाया जाता है। प्रथम चरण पूरा करने के बाद विद्यार्थी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सर्टिफ़िकेट स्तर की प्रवीणता के साथ उर्दू गद्य को पढ़ और लिख सकता है।

निर्धारित पुस्तक :

i. मूल पाठ्य–पुस्तक – उर्दू सबके लिए – भाग–I
   अभ्यास पुस्तिका – 1 से 3 तक – भाग–I

अभ्यासों की संख्या :

इस चरण में 20 पाठों पर आधारित 3 अभ्यास अर्थात i (1 – 6), ii (7 – 14) और iii (15 – 20) विद्यार्थी को करने होंगे।

अभ्यास की अवधि :

विद्यार्थी को ये तीनों अभ्यास तीन महीनों (अप्रैल से जून) के अंदर करके अपने सेंटर में जमा करने होंगे।

जाँच के बाद विद्यार्थी को अभ्यास पुस्तिका वापस कर दी जाएगी। भाग–I को पढ़ने के बाद विद्यार्थी उर्दू शब्दों, छोटे वाक्यों और छोटे अनुच्छेदों को पढ़ने और लिखने के योग्य हो जायेंगे। यही नहीं बल्कि कोर्स के दूसरे भाग को पढ़ने के लिये पूर्ण रूप से तैयार हो जायेंगे।

➢ **दूसरा चरण :**

दूसरे चरण में निर्धारित पुस्तक निम्नानुसार है।

निर्धारित पुस्तक :

ii. मूल पाठ्य–पुस्तक – उर्दू सबके लिए – भाग–II
   अभ्यास पुस्तिका – 4 से 9 तक – भाग–II

'उर्दू सबके लिय भाग– II को तीन इकाइयों में विभाजित किया गया है।

इकाई (1) :

इकाई–1 बोलचाल वाले नौ पाठ और एक पत्र लेखन पर आधारित है। यह पाठ विद्यार्थियों को घर, बाज़ार, स्थान के साथ–साथ अनौपचारिक या औपचारिक स्थितियों में दिनचर्या की बोल–चाल में भाग लेने या बात करने में मदद देगा। पत्र लेखन में औपचारिक, अनौपचारिक और व्यावसायिक प्रकृति के पत्र दिये गये हैं। इन पाठों में उपयोग की गई शब्दावली को पाठ के अन्त में दिया गया है।

अभ्यासों की संख्या :

इस इकाई में 10 पाठों पर आधारित 2 अभ्यास अर्थात iv (1 – 5) और v (6 – 10) विद्यार्थी को करने होंगे।

अभ्यास की अवधि :

विद्यार्थी को ये दोनों अभ्यास तीन महीनों (जुलाई से सितम्बर) के अंदर करके अपने सेंटर में जमा करने होंगे। जाँच के बाद विद्यार्थी को अभ्यास पुस्तिका वापस कर दी जाएगी।

इकाई (2) :

इकाई–2 में विद्यार्थियों के स्तर को ध्यान में रखकर मुख्यतः छोटे–छोटे अनुच्छेदों में विशेष तौर पर लिया गया है। 'हमारा मुल्क' , 'ओलंपिक खेल', 'हिन्दुस्तान के त्यौहार' और स्वतंत्रता सेनानी की जीवनी जैसे आम और लोकप्रिय विषयों को चुना गया है। इन अनुच्छेदों में मिश्रित व्याकरणीय संरचनाओं का प्रयोग करते हुए सरल भाषा में लिखा गया है। आशा की जाती है कि यह अनुच्छेद सूचनात्मक होने के अतिरिक्त विद्यार्थियों की रूचि को बनाये रखने में सहायक सिद्ध होंगे।

पुस्तक का यह भाग शिक्षार्थियों कों विशेष रूप से साहित्य से चुने गये सामान्य पाठय सामग्री को पढ़ने और सक्षमक करने के लिये तैयार करेगा। यह विद्यार्थी की समग्र समझ को विकसित करेगा।

अभ्यासों की संख्या :

इस इकाई में 4 पाठों पर आधारित 1 अभ्यास अर्थात vi (11 – 14) विद्यार्थी को करना होगा।

अभ्यास की अवधि :

विद्यार्थी को ये अभ्यास दो महीनों (अक्टूबर से नवम्बर) के अंदर करके अपने सेंटर में जमा करना होगा। जाँच के बाद विद्यार्थी को अभ्यास पुस्तिका वापस कर दी जाएगी।

इकाई (3) :

इकाई–3 आठ पाठों पर आधारित हैं जिन्हें उर्दू साहित्य के गद्य और पद्य से चुना गया है। इन पाठों में उर्दू के कुछ प्रसिद्ध साहित्यकारों की रचनाओं को विद्यार्थियों के अनुसार बनाने के लिये संशोधित एवं असंशोधित रूप में दिया गया। पुस्तक का यह भाग विधार्थियों के भाषा की समग्र समझ को बढ़ायेगा और उर्दू भाषा की कुछ विशिष्ट अभिव्यक्ति एवं सांस्कृतिक पहलुओं को समझने और लिखने की कला को भी विकसित करेगा। पाठों के अन्त में सीखने

की प्रक्रिया को विकसित करने के लिए शब्दावली एवं अभ्यास दिये गये हैं।

अभ्यासों की संख्या :

इस इकाई में 8 पाठों पर आधारित 3 अभ्यास अर्थात vii (15 – 16), viii (17 – 19) और ix (20 – 22) विद्यार्थी को करने होंगे।

अभ्यास की अवधि :

विद्यार्थी को ये अभ्यास चार महीनों (दिसम्बर से मार्च) के अंदर करके अपने सेंटर में जमा करने होगे। जाँच के बाद विद्यार्थी को अभ्यास पुस्तिका वापस कर दी जाएगी।

6. लिखित परीक्षा :

कोर्स के अंत में विधार्थियों को लिखित परीक्षा देनी होगी।

7. लिखित परीक्षा में फिर से शामिल होना:

ऐसे छात्र जो अंतिम लिखित परीक्षा में असफल रहे हों वे छात्र 100/– रूप्ये का डिमांड ड्राफ्ट जमा कर वर्तमान सत्र के छात्रों के साथ लिखित परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

8. डिप्लोमा एवार्ड :

नौ अभ्यास पुस्तिका और लिखित परीक्षा दोनों में सफल विद्यार्थियों को परिषद की तरफ़ से डिप्लोमा सर्टिफिकेट दिया जाएगा जो कि रजिस्टर्ड पोस्ट से उनके सेंटर को भेजा जाएगा।

9. प्रमाणपत्र त्रुटि शुल्क :

परिषद् द्वारा जारी प्रमाणपत्र में किसी प्रकार त्रुटि या डुप्लीकेट प्रमाणपत्र जारी करने के लिए 100/– रूपये का डिमांड ड्राफ्ट जमा करना होगा।

10. फीस :

पंजीकृत होने के लिए आवेदन–पत्र एवं विवरणिका (प्रॉस्पेक्टस) मँगाते समय विद्यार्थी को मात्र 200/- रुपये सेंटर को देने होंगे। इसके अतिरिक्त कोई दूसरी फीस विद्यार्थियों से नहीं ली जाएगी।

11. परिषद द्वारा सीधा पंजीकरण :

वे विद्यार्थी जो राष्ट्रीय उर्दू परिषद द्वारा उर्दू डिप्लोमा कोर्स करना चाहते हैं, 350/- रुपये का D.D., "NCPUL, New Delhi" के नाम परिषद को भेजकर यहाँ से सीधा पंजीकरण करा सकते हैं। ऐसे विद्यार्थियों को अतिरिक्त सामग्री अर्थात उर्दू उच्चारण – पाठयक्रम (एक किताब और दो ऑडियो सीडी का सेट) भी भेजा जाएगा। इन विद्यार्थियों को कॉनटैक्ट क्लासेज़ की सुविधा नहीं मिल पाएगी।

12. शिक्षा का माध्यम :

यह कोर्स हिंदी और अंग्रेज़ी माध्यम में दूरस्थ शिक्षा–प्रणाली द्वारा चलाया जाता है। विद्यार्थी को चयनित माध्यम में सामग्री एवं अभ्यास भेजे जाएँगे। इसी प्रकार विद्यार्थी को कोर्स के लिए चुने गए माध्यम में ही अभ्यास पूर्ण करके भेजने होंगे।

13. पते में परिवर्तन या संशोधन :

यदि विद्यार्थी के पते में कोई परिवर्तन या संशोधन है तो सेंटर इंचार्ज को लिखें।

विद्यार्थी को सुझाव दिया जाता है कि इस संदर्भ में किसी अन्य अधिकारी को पत्र न लिखें। साधारणतः पते के परिवर्तन में चार से छः सप्ताह का समय लग जाता है।

14. सेंटर इंचार्ज के लिए निर्देश :

सेंटर इंचार्ज को निम्नलिखित ज़िम्मेदारी निभानी होगी::–

- विद्यार्थियों से फ़ीस लेकर, सभी विद्यार्थियों की फीस का एक Demand Draft, **NCPUL, payable at New Delhi** के नाम से बना कर परिषद को प्रेषित करना।
- सभी विद्यार्थियों के भरे हुए आवेदन पत्र परिषद में फीस के साथ भेजना और उसकी फोटो कॉपी अपने पास रखना।
- कक्षा का समय निर्धारित करके, उस की जानकारी विद्यार्थी और परिषद दोनों को देना।
- पाठ्यक्रम सामग्री का विद्यार्थियों के बीच भलिभाँति वितरण।

- परिषद की ओर से दिये गए फंड, अर्थात टीचर के वेतन, स्टेशनरी चार्ज आदि का वितरण करना तथा उसका ब्योरा/रिकार्ड रखना।
- परिषद एवं विद्यार्थियों के साथ पत्र व्यवहार।
- टीचर एवं विद्यार्थियों के कार्यकलापों की समीक्षा।

15. पार्ट टाईम शिक्षक/शिक्षिका के लिए निर्देश :

शिक्षक/शिक्षिका को निम्नलिखित ज़िम्मेदारियाँ होंगी:–

- हफ़्ते में कम से कम 3 कक्षाऐं लेना। हर कक्षा 60 मिनट के अंतराल की होगी।
- विद्यार्थियों की हाज़िरी का रजिस्टर बनाना।
- विद्यार्थियों के द्वारा लिखे गये अभ्यासों की जाँच करना।
- विद्यार्थियों का टेस्ट लेना और उनकी प्रोग्रेस रिपोर्ट तैयार करना।
- न केवल शिक्षा–सामग्री के माध्यम से ही विद्यार्थियों को पढ़ाना बल्कि उन्हें विषयों पर आधारित अतिरिक्त जानकारी भी देना।

एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स इन उर्दू लेंग्वेज की समय सारणी

पंजीकरण की अंतिम तिथि	प्रथम प्रेषण	द्वितीय प्रेषण	तृतीय प्रेषण	लिखित परीक्षा
28 फरवरी	एक से तीन अभ्यासों को जमा करने की अंतिम तिथि 10 अगस्त	चार से सात अभ्यासों को जमा करने की अंतिम तिथि 10 दिसम्बर	आठ से बारह अभ्यासों को जमा करने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल	अप्रैल के महीने में

★ ये समय सारणी प्रत्येक वर्ष के लिए समान रहेगी।

कौमी उर्दू काउंसिल द्वारा प्रकाशित पूरक शिक्षण–सामग्री

1. *Let's Learn Urdu* और *अभ्यास पुस्तिका,* लेखकः प्रोफ़ेसर गोपी चन्द नारंग, मूल्य 96/– रुपये।
2. *उर्दू कैसे लिखें* और *अभ्यास पुस्तिका,* लेखकः प्रोफ़ेसर गोपी चन्द नारंग, मूल्य 77/– रुपये।
3. *URDU: Readings in Literary Urdu Prose,* लेखकः प्रोफ़ेसर गोपी चन्द नारंग, मूल्य 100/– रुपये।
4. *साहित्यिक उर्दू गद्य संचयन* लेखकः प्रोफ़ेसर गोपी चन्द नारंग, मूल्य 90/– रुपये।
5. *उर्दू उच्चारण – पाठ्यक्रम* (2 ऑडियो सीडी और एक किताब का सेट), मूल्य 105/– रुपये।
6. *उर्दू का परिचयात्मक व्याकरण,* लेखकः प्रोफेसर रवींद्र गर्गेश एवं डॉ॰ चन्द्रशेखर, मूल्य 27/– रुपये।
7. *करड़ी कथा* (2 ऑडियो कैसेट्स और 4 किताबों का सेट), लेखक गुलज़ार, मूल्य 210/– रुपये।

कौमी उर्दू काउंसिल द्वारा प्रकाशित अनुशंसित पुस्तकों की सूची

1. *इंट्रोडक्ट्री उर्दू (भाग 1 एवं भाग 2),* लेखकः सी एम नईम, मूल्य 386/– रुपये।
2. *उर्दू ज़बान का जादू (भाग 1 एवं भाग 2),* लेखकः श्रीमती बी. श्यामला कुमारी एवं प्रोफ़ेसर माहजबीं नजम, मूल्य 53/– रुपये।
3. *हिन्दुस्तान की लोक कहानियों का ख़ज़ाना (भाग 1 एवं भाग 2),* लेखकः शंकर एवं खुसरो मतीन, मूल्य 56/– रुपये।
4. *परवाज़, Wings of Fire,* ए. पी. जे. अबुल कलाम की आत्म कथा, (एक सीडी और एक किताब का सेट), लेखकः गुलज़ार, मूल्य 132/- रुपये ।

नोट : किताबों के मूल्य विशेष छूट के उपरांत लिखे गये हैं।

Director's Note .....

National Council for Promotion of Urdu Language (NCPUL) was established as an autonomous organization under Ministry of Education, Department of Higher Education, Government of India. The Council is responsible for taking appropriate action for making available in Urdu language, the knowledge of scientific and technological development as well as knowledge of ideas evolved in modern context.

Urdu language has contributed tremendously to the growth of Indian culture and Urdu script is one of the most beautiful scripts among Indian languages. Urdu language has been a very powerful medium of communication with treasure of world class poetry, prose and other forms of fiction. There has been a great demand for introducing a course enabling the learners to read and understand Urdu literature through Urdu script, hence the launch of this course.

With the fast expanding areas of learning and growing media influences, there is always a need for learning by self efforts. NCPUL provides avenues of flexible learning of script as well as the poetry and prose of Urdu literature by bringing education at your doorstep so that you may pursue learning at your own convenience and medium of choice. We hope that you will find this **Diploma Course in Urdu Language** on distance education mode very interesting.

NCPUL, besides this correspondence course also offers job oriented one year Diploma Course in *Computer Applications, Business Accounting and Multilingual DTP (CABA - MDTP)* with an essential Urdu component on a very nominal fee. This course has enabled us to produce medium level IT professionals like DTP operators, Visual designers, Data entry operators and Office and Account assistants.

I am sure that with these initiatives NCPUL shall make significant contribution to Urdu Education in the country with a view that it conforms to the national standard and national objectives.

New Delhi

Prof. Dhananjay Singh
Director

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद

قومی کونسل برائے فروغ اردو زبان

National Council for Promotion of Urdu Language

1. THE COUNCIL : AN INTRODUCTION

The National Council for Promotion of Urdu Language was established as an autonomous body under the Ministry of Education, Department of Higher Education, Govt. of India in 1994 and started functioning w.e.f. 1st April, 1996. The objectives for which the Council has been established are:

- To promote, develop and propagate Urdu Language.
- To take action for making available in Urdu Language, the knowledge of scientific and technological development as well as knowledge of ideas evolved in the modern context.
- To advise the Govt. of India on issues connected with Urdu Language and having bearing on Education as may be referred to it.
- To undertake any other activity for the promotion of Urdu Language as may be deemed fit by the Council.

2. DIPLOMA COURSE IN URDU LANGUAGE

Language as a medium of instruction is one of the important factors in determining the quality of teaching, learning and level of achievement. Only first language can be effectively used as the medium, which the learners understand and in which they can comfortably interact. As such, it is one of the recognized facts that the first language is the learner's most natural medium of communication and therefore, of instruction. One of the important objectives of the Council is to promote, develop and propagate Urdu language. To move further ahead to popularise Urdu language and its script.

NCPUL started six months certificate course in Urdu through English and Hindi medium in 2001. Keeping in view the popularity and demand of this course it was upgraded into one year Diploma course in 2003 that was offered to an individual learner initially who wanted to register himself as an individual learner directly. In addition to above, since 2004 onwards this has also been running through our accredited centres. This Course has received an overwhelming response throughout the country and is becoming popular day by day amongst the people cutting across the boundary lines of caste, creed, sex, age and region.

3. URDU STUDY CENTRES

To provide course material and instructions at the doorstep of learners NCPUL established Urdu Study Centres across the country. Presently there are 940 such centres. Contact programmes, supported by audio/video materials etc are part and parcel of the programme. Classroom teaching is provided to the learners enrolled in these centres so that they can learn the language properly.

Those learners who enroll directly with the Council are provided additional materials to compensate for the contact classes.

4. DURATION OF THE COURSE

Diploma Course in Urdu Language is of one-year duration (April – March) starting from first April every year.

5. STRUCTURE OF DIPLOMA COURSE

The Urdu Diploma Course has been divided into two stages.

First Stage:

In the first stage Urdu script is being taught through Hindi and English medium to the learner. After completion of this stage the Learner is expected to read and write in Urdu script along with a certificate level of proficiency in Urdu prose. Prescribed book is as follows:-

i. **Basic Text Book** – *Urdu For All – Part I*
Response Sheets – *1 to 3 – Part I*

No. of Assignments :

In this stage three assignments based on 20 lessons, i (1 to 6), ii (7 to 14) and iii (15 to 20) will be completed by the learners.

Duration of Assignments :

Learners have to complete these three assignments within three months (April to June) and submit to their respective centres.

Checked assignments will be returned to learners. At the end Part I of the course the learners should be able to read and write Urdu words, small sentences, small passages and be prepared to start Part II of the course.

Second Stage:

The book which is prescribed in the second stage is as under:

ii. **Basic Text Book** – *Urdu For All – Part II*
Response Sheets – *4 to 9 – Part II*

The course '*Urdu for All – Part II*' has been divided into three units.

Unit (1) :

Unit-1 comprises of nine conversational lessons and one letter writing. The conversational lessons would help the learners to speak or participate in day-to-day conversations at home, market place or informal or formal situations. Letter writing of formal, informal and commercial nature has been given. The vocabulary used in these lessons has been given at the end of the lesson.

No. of Assignments :

At this Unit two assignments iv (1 to 5) and v (6 to 10) based on 10 lessons shall be completed by the learners.

Duration of Assignments :

Learners have to complete these assignments within three months (July to September) and submit to their respective centres. Checked assignments will be returned to learners.

Unit (2) :

Unit-2 of this course comprises of small passages, specially written keeping in view the level of the learners. From common and popular topics like 'Our Country', 'Olympic Games', or 'Festivals' and Biographical writing about a freedom fighter have been chosen. The passages are written in simple language using mixed grammatical structures. Besides being informative the passages are supposed to sustain the interest of learners.

This part of the book would prepare and enable the learners to read the general texts especially selected from the literature. This would also increase the overall comprehension of the learner.

No. of Assignments :

At this Unit one assignment vi (11 to 14) based on 4 lessons shall be completed by the learners.

Duration of Assignments :

Learners have to complete these assignments within two months (October to November) and submit to their respective centres. Checked assignments will be returned to learners.

Unit (3) :

Unit-3 comprises of eight lessons that have been selected from prose and poetry of Urdu literature. The texts of some eminent writers have been given herein in adapted and up-adapted forms in order to make them suitable for the learners. This section of the book would help the learners to improve their general comprehension about language, learning, writing skills and understanding a few typical expressions of Urdu language as well as its cultural aspects. The lessons have been followed by notes, exercises and drills to supplement and improve the learning process.

No. of Assignments :

At this Unit three assignments vii (15 to 16), viii (17 to 19) and ix (20 to 22) based on 8 lessons shall be completed by the learners.

Duration of Assignments :

Learners have to complete these assignments within four months (December to March) and submit to their respective centres. Checked assignments will be returned to learners.

6. WRITTEN EXAMINATION :

A final written examination will be held in the end of session.

7. RE-APPEAR IN THE WRITTEN EXAMINATION :

The failed candidate will have to pay Rs. 100/- (One Hundred only) in form of demand draft for re-appearing in the examination with the students of current session. This will be

applicable only to those students who have failed in the last conducted exam.

8. AWARD OF DIPLOMA :

Diploma will be awarded to the successful learners in both the written examination and 9 assignments by the Council at the end of the course and sent through registered post to the respective centres.

9. CERTIFICATE CORRECTION CHARGE :

Rs. 100/- (One Hundred only) is chargeable in form of demand draft for making any sort of correction in the issued certificate or issuance of a duplicate certificate.

10. FEE STRUCTURE :

A fee of Rs.200/- only will be payable by the Learner at the time of seeking the application form along with prospectus for registration at their respective centres. (No other fee will be charged from the students).

11. DIRECT ADMISSION THROUGH NCPUL :

The learners who are interested in Urdu Diploma Course from NCPUL directly, they may enroll with NCPUL after sending a D.D. for Rs. 350/- in favour of "NCPUL, New Delhi", to the Council. There is no contact class programme for direct individual learners. Such learners shall be provided additional materials i.e. A Course in Urdu Pronunciation (a textbook accompanied by two audio CDs).

12. MEDIUM OF INSTRUCTION :

The course is offered through Hindi and English media.

Printed course materials and assignments will be sent to the Learner in the medium of his / her choice. Similarly, Learner will have to submit the assignments in the medium opted for pursuing the course.

13. CHANGE OR CORRECTION OF ADDRESS

In case there is any correction or change in Learner's address, the same may be communicated to the Centre Incharge.

Learners are advised not to write letters to any other officer in this regard. Normally, it takes four to six weeks to effect the change.

14. GUIDELINES FOR CENTRE INCHARGE

- Centre Incharge will collect the fee from the learners and will send the DD of combined fee in favour of **NCPUL payable at New Delhi,** to the Council for further action.
- Centre Incharge will send the filled up application forms to the Council along with the fee and keep xerox copy of the application forms in the centre.
- Centre Incharge shall prepare a time schedule for classes in advance and provide one copy to each Learner and one copy to Council.
- Centre Incharge will ensure smooth supply of course books to each Learner stage wise.
- Centre Incharge will effectively monitor the funds i.e. honorarium to the teacher(s), grant for contingency, etc., will keep all records and send Utilization Certificate of the grant released.
- Centre Incharge will be responsible for correspondence with the Council and the Learners.
- Centre Incharge will monitor the performance of the teacher(s).

15. GUIDELINES FOR PART-TIME TEACHER(S)

- The teacher shall take at least three classes in a week of 60 minutes each.
- The teacher shall maintain a register for attendance of the Learners.
- The teacher will evaluate the response sheets.
- He / She will also conduct periodical tests for the Learners and maintain their progress in the register.
- The teacher will not only teach the syllabus of the course but also provide other references related to the subject.

Time Schedule of One Year Diploma Course in Urdu Language

Completion of Registration	Ist Despatch	IInd Despatch	IIIrd Despatch	Final Written Exam
28 February	Last date of submission of 1st to 3rd assignments by 10 August	Last date of submission of 4th to 7th assignments by 10 December	Last date of submission of 8th to 12th assignments by 10 April	In the Month of April

★ The time schedule for each year will remain same.

Supplementary Course Materials Published by NCPUL

1. *Let's Learn Urdu (English)* with its Work Book by Prof. G.C. Narang, Price Rs. 96.00
2. *Urdu Kaise Lekhain (Hindi)* with its Work Book by Prof. G. C. Narang, Price Rs. 77.00
3. *URDU: Readings in Literary Urdu Prose (English)* by Prof. G.C. Narang, Price Rs. 100.00
4. *Sahityik Urdu Gadh Sanchyan (Hindi)* by Prof. G.C. Narang, Price Rs. 90.00
5. *A Course in Urdu Pronunciation (A set of 2 audio CDs and one text book)*, Price Rs. 96/-
6. *Introductory Grammar of Urdu (English)* by Prof. Ravinder Gargesh & Dr. Chandra Shekhar, Price Rs. 57.00
7. *Kardi Katha* (A set of 2 audio cassettes & 4 story books) by Gulzar, Price Rs. 210.00

List of other Recommended Books published by NCPUL

1. *Introductory Urdu Part 1 & 2* by C.M. Naim, Price Rs. 386.00
2. *Urdu Zaban Ka Jadu Vol. 1 & 2* by Mrs. B. Shamla Kumari & Prof. Dr. Mahjabeen Najm, Price Rs. 53.00
3. *Hindustan ki Lok Kahaniyon ka Khazana Vol. I & II* by Shankar & Khusro Mateen, Price Rs. 56.00
4. *PARWAZ, Wings of Fire,* an abridged autobiography of A.P.J Abul Kalam (a set of one CD and one book), by Gulzar, Price Rs. 132.00

Note : Prices mentioned above are with discount.